Class 10 Hindi Important Questions कृतिका भाग 2

पाठ 1 माता का आंचल महत्वपूर्ण प्रश्न उत्तर
प्रश्न 1. माता का आँचल' पाठ का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – माँ बच्चे की जन्मदाता तथा पालन-पोषण करने वाली है। स्वाभाविक रूप से बच्चा माँ से अधिक लगाव रखता है। माँ भी एक बाप की अपेक्षा हृदय से अधिक प्यार-दुलार करती है। वह बाप की अपेक्षा बच्चों की भावनाओं को अधिक अच्छा समझ लेती है। माँ का अपने बच्चे से आत्मिक प्रेम होता है। बच्चा चाहकर भी माँ की ममता को नहीं भुला सकता। यह भी सत्य है कि एक बाप अपने बच्चों को बहुत अधिक प्यार तो दे सकता है लेकिन एक माँ का हृदय वह कभी प्राप्त नहीं कर सकता। इसलिए प्रस्तुत पाठ में बच्चों का अपने पिता से अधिक लगाव होने पर भी वह विपदा के समय पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है।

प्रश्न 2. आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ?

उत्तर – मनुष्य स्वाभाविक रूप से अपनी आयु तथा प्रकृति के लोगों के साथ अधिक जुड़ा रहता है। वह मन से उनकी संगति लेना चाहता है। उनकी संगति में आकर उसके दुःख, रोग सब मिट जाते हैं। विशेषकर बच्चा तो अपने जैसे साथियों की संगति अवश्य चाहता है क्योंकि उनके बिना उसकी अठखेलियां मौज-मस्ती अधूरी रह जाती हैं। वह अपनी संगति में आकर अपने सारे सुख-दुःख भूल जाता है। इसलिए भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना भूल जाता है।

प्रश्न 3. 'माता का आँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

उत्तर – 'माता का आँचल' पाठ के माध्यम से लेखक ने माँ के आँचल के प्रेम एवं शांति का वर्णन किया है। लेखक और उसका भाई वैसे तो अधिकतर अपने पिता के साथ रहते हैं। उनके पास सोते हैं। लेकिन जो प्यार और शांति उन्हें माँ के आँचल में मिलती है वैसी पिता के साथ नहीं मिलती। माँ अपने बच्चों को नहला-धुलाकर, कुरता-टोपी तिलक आदि लगाकर बाहर खेलने के लिए भेजती है। पिता के द्वारा रोटी खिलाने पर भी माँ बच्चों को कबूतर तोता, मैना आदि के बनावटी नाम देकर रोटी खिलाती है। पाठ के अंत में भी जब बच्चे साँप से भयभीत होकर यहाँ-वहाँ गिरते हुए खून से लथपथ होकर घर पहुँचते हैं तो वे अपनी माँ के आँचल में छिप जाते हैं। उन्हें हुक्का गुड़गुड़ाते हुए पिता अनदेखा कर देते हैं। माँ ही अपने आँचल में लेकर बच्चों को हल्दी का लेप लगाती है। कांपते होंठों को बार-बार देखकर उन्हें गले लगा लेती है। उसी समय बाबू जी माँ की गोद से बच्चों को लेना चाहते हैं लेकिन बच्चे अपनी माता के आँचल की प्रेम और शांति की छाया को नहीं छोड़ते। संभवतः माता का आँचल एक उपयुक्त शीर्षक है। इसका अन्य शीर्षक बचपन हो सकता है।

प्रश्न 4. पठित पाठ के आधार पर भोलानाथ की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – भोलानाथ ग्रामीण परिदेश में पलने वाला बालक था उसकी प्रमुख तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं
(i) पितृ-प्रेमी- भोलानाथ और उसके भाई को अपने पिता के प्रति विशेष लगाव था। पिता को भी उनसे उतना ही लगाव था और वे सदा उनके सुख-दुख में सहायता के लिए तैयार रहते थे भोलानाथ अपने पिता से ही हर रोज नहाते थे और उनके साथ पूजा-पाठ करते थे।
(ii) शरारती और मौज-मस्ती करने वाला- भोलानाथ शरारती स्वभाव का था। वह अपने भाई और मित्रों के साथ मिलकर खूब खेलता था, शरारतें करता था और सदा मौज-मस्ती में डूबा रहता था। वह अपने पिता की लंबी-

https://www.evidyarthi.in/

लंबी मूंछों से भी खेला करता था।
(iii) कल्पनाशील- भोलानाथ कल्पनाशील बालक था। वह चबूतरे पर अपने मित्रों के साथ खेलते हुए पत्ते की पूरियाँ, मिट्टी की जलेबियाँ, तिनकों के छप्पर, दातून के खंभे, दीये की कड़ाही आदि बनाया करता था। वह कल्पना में ही सब के साथ पंक्ति में बैठ झूठ ही जीमने लगता था। वह कनस्तर का तंबूरा, आम के पौधे की शहनाई और टूटी हुई चूहेदानी की पालकी बनाया करता था वह हर रोज अपने मित्रों के साथ मिलकर नाटक किया करता था।

पाठ 2 साना साना हाथ जोड़ी महत्वपूर्ण प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है ?

उत्तर – यूमघांग जाते हुए रास्ते में बहुत सारी बौद्ध पताकाएँ दिखाई दीं। लेखिका के गाइड जितेन नार्गे ने बढ़ाय कि श्वेत पताकाएँ जब किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु होती है तो उस समय उसकी आत्मा की शांति के लिए फहराई जाती हैं। रंगीन पताकाएं किसी नये कार्य के आरंभ पर लगाई जाती हैं।

प्रश्न 2. कटाओ को भारत का स्विट्जरलैंड क्यों कहा गया है ?

उत्तर – 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। 'कटाओ' को भारत का स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता असीम है, जिसे देखकर सैलानी स्वयं को ईश्वर के निकट समझते हैं। वहाँ उन्हें अद्भुत शांति मिलती है। यदि वहाँ पर दुकानें खुल जाती हैं तो लोगों की भीड़ बढ़ जाएगी, जिससे वहाँ गंदगी और प्रदूषण फैलेगा। लोग सफ़ाई संबंधी नियमों का पालन नहीं करते। वस्तुएँ खा-पीकर व्यर्थ का सामान इधर-उधर फेंक देते हैं। लोगों का आना-जाना बढ़ने से जैसे यूमथांग में स्नोफॉल कम हो गया है। वैसा ही यहाँ पर भी होने की संभावना है। 'कटाओ' के वास्तविक स्वरूप में रहने के लिए वहाँ किसी भी दुकान का न होना अच्छा है।

प्रश्न 3. प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है ?

उत्तर – प्रकृति का जलसंचय करने का अपना ही ढंग है। सर्दियों में वह बर्फ के रूप में जल इकट्ठा करती है। गर्मियों में जब लोग पानी के लिए तरसते हैं तो ये बर्फ शिलाएँ पिघलकर जलधारा बन जाती है, जिससे हम लोग जल प्राप्त कर अपनी प्यास और दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

प्रश्न 4. लेखिका को बर्फ कहाँ देखने को मिल सकती थी और वह कहाँ स्थित है ?
अथवा
सिक्कमी नवयुवक ने 'कटाओ' के बारे में लेखिका को क्या जानकारी दी थी?

उत्तर – एक सिक्कमी नवयुवक ने लेखिका को बताया था कि इस समय बर्फ 'कटाओ' में देखने को मिल सकती थी। कटाओ को भारत का स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। अभी तक वह टूरिस्ट स्पॉट नहीं बना इसीलिए वह अपने प्राकृतिक स्वरूप में था। कटाओ लातूर से 500 फीट की ऊंचाई पर था। कटावो लाथूंग से 500 फीट की ऊंचाई पर था। वहां पहुंचने के लिए लगभग 2 घंटे का समय लगना था।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5. जितेन ने सैलानियों से गुरु नानक देव जी से संबंधित किस घटना का वर्णन किया है ?

उत्तर – जितेन को वहाँ के इतिहास और भौगोलिक स्थिति का पूरा ज्ञान था। वह उन्हें रास्ते भर तरह-तरह की जानकारियों देता रहा था। एक : यान पर उसने बताया कि यहाँ पर एक पत्थर पर गुरु नानक देव जी के पैरों के निशान हैं। जब गुरु नानक जी यहाँ आए थे उस समय उनकी थाली से कुछ चावल छिटक कर बाहर गिर गए थे। जहाँ-जहाँ चावल छिटके थे वहाँ-वहा चावलों की खेती होने लगी थी।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/